>

Title: Regarding shortage of Coal worth Rs. 50 crore found in the stock at Chandrapura Thermal Power Station of Damodar Valley Corporation.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय : सभापति महोदय, बोकारो जिला अंतर्गत चन्द्रपुरा थर्मल पावर स्टेशन है। वहां पर डीवीसी के पदाधिकारियों द्वारा जांच-पड़ताल के दौरान यह पता चला कि लगभग ढाई लाख टन कोयले की कमी पाई गयी जिसका मूल्य लगभग 50 करोड़ रुपये है। वर्तमान में कोयले की जो कमी आई, उससे उजागर होता है कि वहां पर ठेकेदार और अधिकारियों की मिलीभगत से यह व्यवस्था बनी है। चन्द्रपुरा थर्मल पावर स्टेशन में कोयले की जो आपूर्ति की गयी है, उसमें करीब 30 प्रतिशत पत्थर की मिलाई गयी है अर्थात कोयले उपयुक्त गुणवत्ता वाली श्रेणी से कम है। इससे भी अधिक गड़बड़ी वाली बात यह है कि एक्स-सर्विसमैन को संविधान में वर्णित कानून के आलोक में बिना निविदा के प्रकाशित किए टेंडर दिया जाता है, जबकि सही पूछा जाए, तो वर्तमान में कोयले की वहां पर जो ढुलाई हुई है, एक्स-सर्विसमैन और रेलवे के वैगन के द्वारा की गयी है। अभी जांच चल रही है। इससे भी बड़ी बात यह है कि बोकारो थर्मल प्लांट से कोयले की ढुलाई का काम एक्स-सर्विसमैन को दिया गया, वह कोयला कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन जाएगा जिसकी दूरी लगभग 170 किलोमीटर है। मैं यह कहना चाहता हूं कि एक तरफ ढाई लाख टन कोयले की शॉर्टेज हुई चन्द्रपुरा में इसी ट्रांसपोर्टेशन के चलते और बगैर निविदा निकाले हुए फिर कोडरमा के लिए कोयला बोकारो थर्मल स्टेशन से देना, अपने आप में बहुत बड़ी गड़बड़ी है और उससे भी बड़ी बात यह है कि वर्तमान में जो रिजेक्शन कोल है...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपकी मांग क्या है?

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय : महोदय, मेरी मांग सरकार से यह है कि भारत सरकार अविलंब इसकी जांच सीबीआई से कराए, यह करोड़ों रुपये का घोटाला है और जो रिजेक्शन है, उसका टेंडर ये लोग करते हैं, उसको ये लोग माइन्स एंड मिनरल वाली वेबसाइट पर डालते हैं, कोल वाली वेबसाइट पर नहीं डालते हैं, जिन लोगों को टेंडर डालना है, वे उस वेबसाइट पर देखकर टेंडर डालें। सरकार से मेरा आग्रह है कि वर्तमान में चूंकि घटिया कोयले की सप्लाई के चलते बिजली उत्पादन पर भी फर्क पड़ता है और आज बिजली की आवश्यकता है, लेकिन गलत कोयले की सप्लाई करके, घोटाला करके गड़बड़ी की जा रही है। इसलिए मेरी मांग है कि इसकी जांच कराई जाए। मुझे संदेह है कि इसमें और भी घोटाले उजागर होंगे।